an>

Title: Regarding farmers committing suicide in Vidarbha, Maharashtra.

श्री रामदास सी. तडस (वर्धा) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मुझे आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी का ध्यान महाराष्ट्र के विदर्भ में किसानों द्वारा आत्महत्या करने के संदर्भ की ओर आकृष्ट करते हुए कहना है कि विदर्भ के किसान कर्ज से दबे हैं। किसानों को फसल की पैदावार का उचित मूल्य नहीं मिलने एवं कई वर्षों से अतिवृष्टि एवं सूखा के कारण किसानों की फसल नष्ट हो जाती है।...(व्यवधान) जिसकी चिन्ता के कारण एवं कर्ज के बोझ से प्रतिवर्ष एक हजार से भी ज्यादा लोग आत्महत्या करने के लिए मजबूर होते रहे हैं। वर्ष 2006 में तत्कालीन सरकार ने कर्ज माफी योजना चलाई थी, उस समय जो कर्ज थे, वे आधे-अधूरे माफ हुए, बाकी बची राशि के आठ वर्षों में दुगुने होने के कारण फिर से ब्याज बढ़ गया है।...(व्यवधान) विदर्भ के सामाजिक संस्था, जनसेवक, जनप्रतिनिधि कर्ज माफी हेतु लगातार धरना प्रदर्शन एवं विचार-विमर्श करते रहे, किन्तु अभी तक इस पर कोई न्यायोचित विचार नहीं हुआ है। विदर्भ में मात्र चार प्रतिशत सिंचाई की व्यवस्था है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह पूर्वक विनती करता हूं कि विदर्भ के किसानों के कर्ज माफी हेतु 15सौ करोड़ रुपए का पैकेज दिलाने की कृपा करें, जिससे विदर्भ के छ: जिले क्रमश: वर्धा, यवतमाल, अमरावती, बूलढाणा, अकोला एवं वाशिम के किसानों का कर्ज माफ हो, ताकि वे अपना सुखमय जीवन व्यतीत कर सकें।...(व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर): मैडम, आप सोमवार को कॉलिंग अटेंशन लेंगे या नहीं?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैंने बोला है कि अगले हफते इसे देखेंगे।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: उसे कब लेंगे, यह अभी तय नहीं हुआ है।

â€¦(व्यवधान)